"मानव सिर्फ सुखी होना नहीं, बल्कि निरंतर सुखी होना चाहता है"

मध्यप्रदेश शासन

आनंद सभा

सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों पर आधारित

मानव के आचरण शिक्षा से जीने की कला ही आनंद सभा का उद्देश्य - पांडे

इंदौर (दस्तक) । मानव के आचरण शिक्षा से जीने की कला है आनंद सभा । अब तक शैक्षणिक दायित्व संभालने वाले विषय विशेषज्ञ अब नैतिक मूल्यों के संवाहक बनने की दिशा में भी अग्रसर हैं । इनके संरक्षण को लेकर भी वे आत्म चिंतन करेंगे और भविष्य में विद्यार्थियों में एक नई अनुभूति की रचना करेंगे ।

इन दिनो स्थानीय शासकीय बाल विनय में उच्चतर माध्यमिक विद्यालय स्कूल आफ एक्सीलेंस में राज्य आनंद सभा विभाग द्वारा छः दिवसीय आवासीय आनंद सभा का आयोजन किया जा रहा है इसमें प्रबोधनकार के रूप में विभिन्न विषयों के विशेषज्ञ इंदौर संभाग के शिक्षक शिक्षिकाओं को विशेष प्रशिक्षण दे रहे हैं।

यहां प्रमुख प्रबोधनकार के रूप में प्रोफेसर आलोक पांडे लखनऊ अलका वारूडकर भोपाल मार्गदर्शन कर रहे हैं और इंदौर संभाग के खंडवा बुरहानपुर खरगोन बड़वानी अलीराजपुर धार झाबुआ के शिक्षक शिक्षिकाओं की विभिन्न जिज्ञासाओं को शांत कर उनके प्रश्नों के जवाब भी दे रहे हैं वही लीड वालंटियर के रूप में अवध प्रताप सिंह चौहान सुनील पाटीदार मंदसौर काजल इंदौरे खंडवा विजय मेवाड़ा इंदौर प्रशांत प्रिय गौर ग्वालियर अनिल कांबले कटनी अपनी सेवाएं दे रहे हैं।

अपने व्याख्यान में प्रोफेसर आलोक पांडे ने कहा कि व्यक्ति जीवन में विभिन्न स्थितियों में स्वीकृति और सहज स्वीकृति की बारीक रेखा को समझे यदि उसने इस स्थिति को समझ लिया तो मान लीजिए उसकी बहुत सारी मुश्किलें आसान हो सकती है। उसका जीवन और समय प्रसन्नता से भरा रह सकता है। अलका वारूडकर का कहना था कि इस प्रशिक्षण का उद्देश्य प्रशिक्षणार्थी शिक्षक शिक्षिकाओं में सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर ले जाना तथा उनमें स्थानीय आनंद की अनुभूति करवाना है ताकि वैसा ही माहौल और वातावरण वह विद्यार्थियों को भी दे सके।

इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने भी संबोधित किया। प्रबंधक प्राचार्य पूजा सक्सेना, संगीता विनायका, ज्योति लांभाते केदारे, शाहिद खान ने बताया कि प्रशिक्षण का यह तीसरा चरण है। प्रशिक्षणार्थी राजेश मावी, मनीष बैरागी, प्रमोद नायक, स्वाति मूलगांवकर, योगेश वर्तक का कहना है कि यह प्रशिक्षण प्रशिक्षणार्थियों के साथ विद्यार्थियों का भी भविष्य उज्जवल करेगा।

'आनंद सभा - सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर' पाठ्यक्रम में शामिल

"आनंद सभा" केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि आत्मिक विकास और सामूहिक प्रसन्नता का माध्यम है

राज्य आनंद संस्थान, आनंद विभाग, मध्यप्रदेश के निर्देशन में 6 दिवसीय "आनंद सभा" प्रशिक्षण कार्यक्रम

[शिक्षक बोले - सबसे पहले यह प्रशिक्षण हमारे लिए जरूरी]

प्रशिक्षण संभाग के 100 शिक्षक केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि आत्मिक और नैतिक मूल्यों के संवाहक बनेंगे

बनेंगे आनंद के संवाहक, सीख रहे आत्मिक विकास के सूत्र

नईदुनिया प्रतिनिधि, उज्जैन: उज्जैन संभाग के 100 चयनित शिक्षक अब केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि आत्मिक और नैतिक मूल्यों के संवाहक बनने की दिशा में अग्रसर हैं। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय माधव नगर में गुरुवार से प्रारंभ हुए छह दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण शिविर में शिक्षक 'सार्वभौमिक मानवीय मूल्यों से आनंद की ओर' विषय पर गहराई से आत्मचिंतन और संवाद कर रहे हैं। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य शिक्षकों को स्वयं में स्थायी प्रसन्नता और संतुलन की अनुभूति कराना है, ताकि वे छात्रों को खुशहाल और सकारात्मक जीवन जीने के लिए प्रेरित कर सकें।

प्रशिक्षण में शिक्षक संवाद की प्रक्रिया के माध्यम से यह समझ रहे हैं कि सच्चा आनंद क्या है और वह कैसे स्वयं, परिवार, समाज और प्रकृति के प्रति समर्पित जीवन से प्राप्त हो सकता है। प्रबोधकों के रूप में गाजियाबाद से रुद्रप्रताप सिंह, सिकंदराबाद की लिपिका मिश्रा और पुणे से महेश कोरे शिक्षकों को जीवन मूल्यों की व्यावहारिक समझ दे रहे हैं। यह शिविर अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद की यूनिवर्सल ह्यूमन वैल्यू टीम के मार्गदर्शन में संचालित हो रहा है।

संभागीय संयुक्त संचालक रमा नाहटे की निगरानी में चल रहे प्रशिक्षण का यह तीसरा चरण है। नोडल अधिकारी प्राचार्य मुकेश त्रिवेदी और सहयोगी प्राचार्य बीएमएस परिहार ने बताया कि यह पहल केवल शैक्षणिक नहीं, बल्कि एक सामाजिक और भावनात्मक क्रांति की शुरुआत है, जो आने वाली पीढ़ी को संपूर्ण और संतुलित नागरिक बनाने में सहायक होगी। प्रशिक्षित शिक्षक आगामी शिक्षा सत्र में प्रत्येक शनिवार को आयोजित 'आनंद सभा' में विद्यार्थियों को यही मूल्य सिखाएंगे। शिविर के समन्वयक आनंद विभाग से केसरीचंद पुरोहित हैं।

पाठ्य पुस्तक निर्माण की भी हो रही तैयारी

राज्य आनंद संस्थान इस विचारधारा को पाठ्यक्रम में भी शामिल करने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रशिक्षण के उपरांत चयनित मास्टर ट्रेनर संभाग के 3600 अन्य शिक्षकों को प्रशिक्षित करेंगे, जिससे हर विद्यालय में प्रशिक्षित शिक्षक की उपलब्धता सुनिश्चित हो सकेगी। पिछले शिक्षा सत्र में प्रदेश के 274 सीएम राइस स्कूल और 46 उत्कृष्ट विद्यालयों में आनंद सभा का संचालन हुआ था। इस वर्ष से यह प्रयास सभी शासकीय हाई और हायर सेकेंडरी स्कूलों तक विस्तार पाएगा।

प्रशिक्षण लेने आए शिक्षकों के साथ संभागीय संयुक्त संचालक रमा नाहटे एवं प्राचार्यगण। • नईदुनिया

Ujjain- Anand Sabha Training May-2025

जीवन में संतुलन और प्रसन्नता का माध्यम है- 'आनंद सभा'